34107

इस तरह एक अध्याय

नवल शुक्ल

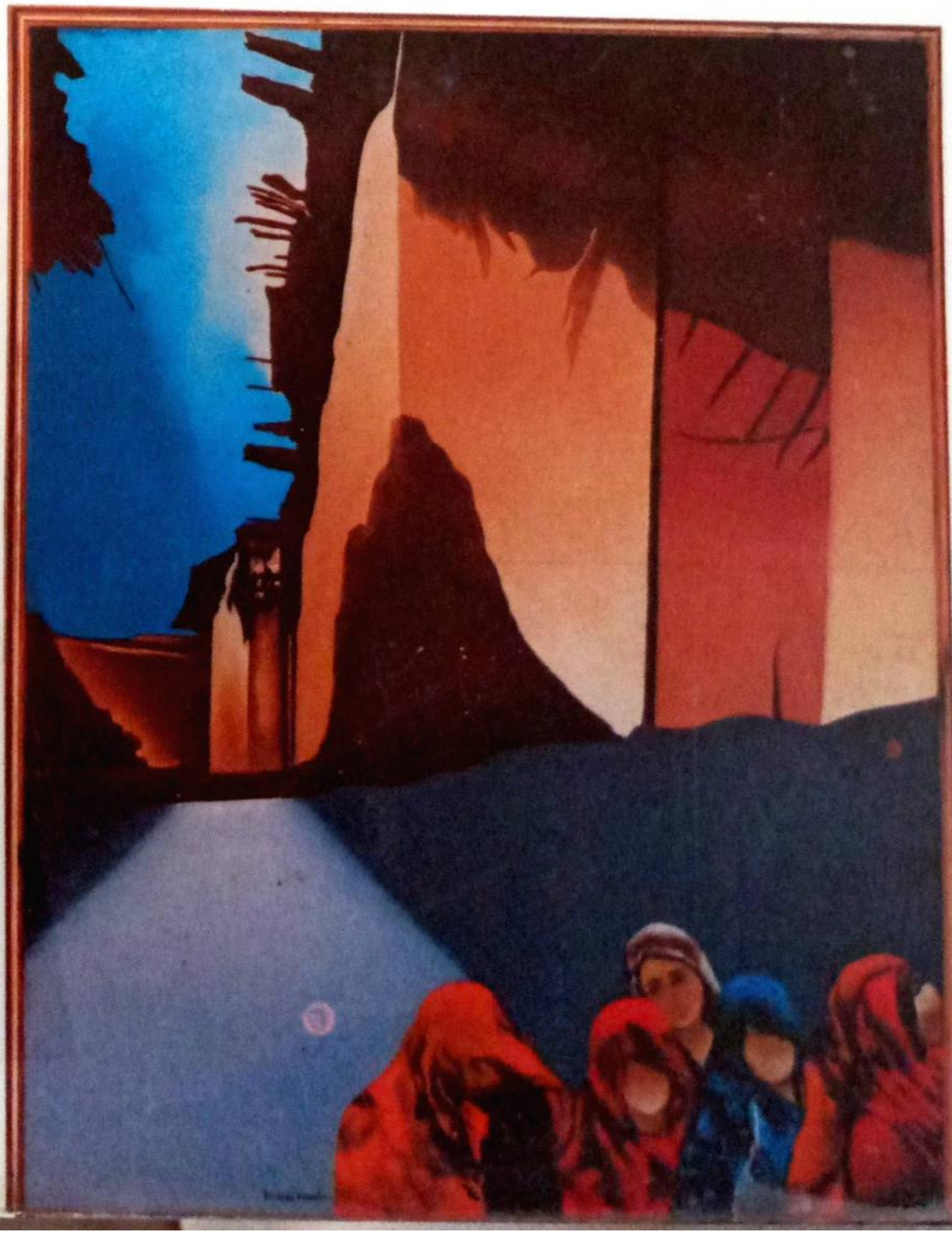

34107

Scanned by TapScanner

अनुक्रम

मुझमें सन्नाटे का परिदृश्य है	9
मेरा मन छाता है	10
एक दिन सपना सोचा	11
मैं संसाधन नहीं था	13
वह रोज़ नक्शे की साँकल खटखटाती है	14
टिकुली	16
कम होते जाते हुए	17
बहुत लोगों से मिलता आया	18
मन के जीते जीत	19
वे नींद में सुनते हैं मृत्यु	21
यह एक जन्मांतर है	23
लौ-सा	24
इस तरह का एक अध्याय	25
कुछ कम उदाहरण चाहिए	28
वह एक बार	29
यह रोज़-रोज़, एक लंबी फिल्म है	31
समय लौटता है इच्छा के पास	33
उसमें कुछ ईश्वर-सा	35
इच्छाओं की जगहों पर खड़ा आदमी	37
हर बार बोलते हैं अपने शब्द	38
हर पल नागरिक	39
एक कविता सुना रहा था	43
जगन्नाथ की आंखों को	45
पुरखे अपनी शेष इच्छा के साथ	47
छुपी हुई अहिंसा में	48
पचासवीं वर्षगाँठ पर ब्रिटिश महारानी	49
आखिरी हिंसा के लिए खड़ा है नायक	51
प्राथमिकता के पीछे	53

Scanned by TapScanner

कोष्टक 54
अनसुनी आवतों में 56
जलविहीन पृथ्वी देखता हूँ 57
एक स्त्री कहीं रो रही है 59
बच्चा अभी दोस्त के साथ उड़ रहा है 60
हर जगह एक सरहद से 64
सैल्यूट करता बिना चेहरे के घूमता 67
कमज़ोरियों के कई प्रकार 69
विद्यार्थी भाग रहे हैं स्कूली गणवेश में 70
जंग साय उठता है नक्काए 72
कितनी सुखद बंद-खुल रही नींद है 74
आदमी का गाँव 75
यह घर 76
लापता 77
काग पद 79
बचे रहने का कोई अन्त नहीं 80
आधी उम्र बीत चुकी 81
इन दिनों मैं 83
ठीक वही गंध 84
कल रात 85
जिन्हें बहुधा अकारण मार दिया जाता है 86
लोकतांत्रिक रास्तों और जगहों पर 87
कभी कभी एकांत में सोचेंगी स्त्रियाँ 88
जीवन की परिधि के बाहर होने से पहले 89
तुम अब बड़ी हो गयी हो 90
सरकार बंदर नहीं है 91
बहुत भी बहुत अकेले हैं 92
कुछ मुझसे और कुछ से मैं छूटता गया 93
कवि के घर की घण्टी 94
छिन्न-भिन्न आदमी की तरह 95

Scanned by TapScanner